



SAIMS TIMES

Volume - 10

Issue - 13

Monthly

August 2023

Page- 22

Rupees - 5



Independence Day Celebration at Sri Aurobindo University



Uniting in Patriotism and Progress. Honoring Independence Day with our Chancellor, Dr. Manjushree Bhandari, and our visionary Founder, Dr. Vinod Bhandari, along with our esteemed faculty members at Sri Aurobindo University, Indore. Together, we celebrate the spirit of freedom and education that drives us forward.

Independence Day Celebration at BHRC



Celebrating a Milestone at Sri Aurobindo University, Indore

Convocation Ceremony MBBS Batch of 2017

On August 10, 2023, a momentous convocation ceremony took place at the prestigious SAMC & PGI to celebrate the achievements of the MBBS Batch of 2017. The ceremony was organised by esteemed Dean Student Welfare, Dr. Jaishree Tapadia a visionary in the field of education and healthcare. She played a pivotal role in mentoring students, and fostering a culture of innovation in student community.

She had a significant role in coordinating various aspects of the ceremony to ensure a seamless and memorable experience for the graduates and attendees.

The ceremony was graced by the esteemed presence of the Chief Guest, the Honourable Governor of Karnataka, Shri Thawar Chand Gehlot.

Alongside the Chief Guest, the ceremony was graced by the presence of notable personalities, Founder chairman Dr. Vinod Bhandari, Chairperson Dr. Manjushree Bhandari, Managing Director Dr. Mahak Bhandari, Pro-Chancellor, Dr. Mohit Bhandari, Pro-Chancellor, Dr. Shweta Bhandari, Dean Student Welfare Dr. Jaishree Tapadia, Dean SAMC & PGI Dr. R. R. Wavare, Registrar Dr. Anand Misra.

The convocation ceremony was a grand and dignified event, marked by a sense of accomplishment and anticipation. Graduates from the MBBS Batch of 2017, after years of dedicated study and rigorous training, were finally ready to step into the medical profession as qualified doctors. The event was a culmination of their hard work, dedication, and unwavering commitment to the field of medicine.



The ceremony was conducted with great decorum, the atmosphere was electric with a palpable mix of excitement, nervousness, and pride. Families, friends, and well-wishers of the graduates were in attendance, adding to the joyous ambiance.

The ceremony started with address by the Chancellor Dr. Manjushree Bhandari, where she extended her warm welcome to the chief guest and heartiest congratulations to the graduates and encouraged them to embrace their roles as healers, caregivers, and lifelong learners.

Dean student welfare Dr. Jaishree Tapadia introduced hounarable chief guest to audience.

Certificates were conferred to the graduates by the Chief Guest, marking the transition from students to doctors. The symbolic gesture of donning the graduation gown and cap represented not just an academic accomplishment, but a pledge to uphold the principles of medicine and serve humanity.

The Honourable Governor, Shri Thawar Chand Gehlot, graced the occasion with his inspiring words and motivating speech. He highlighted the significance of medical professionals in society and commended the graduates for their dedication to the noble profession. His address emphasized the importance of empathy, ethics, and continuous learning in the journey ahead.

Oath ceremony was conducted by Dean SAMC & PGI Dr. R. R. Wavare and medals were distributed to the meritorious students by the respective head of the departments.

Distinguished student representative from the Batch of 2017 also delivered a speech that encapsulated the challenges, triumphs, and memories of their journey through medical school. It also highlighted the camaraderie among classmates and the gratitude they felt towards their mentors and professors.

The event ended on a celebratory note, with the tossing of graduation caps and a sense of optimism for the future.

In essence, the convocation ceremony held on August 10, 2023, at SAMC & PGI for the MBBS Batch of 2017 was a moment of immense pride and accomplishment. It marked the beginning of a new chapter in the lives of these newly minted doctors, who are poised to make significant contributions to the field of medicine and society as a whole.

The presence and active involvement of the Dean Student Welfare ensured that the convocation ceremony was not just an administrative event but a reflection of the institution's commitment to the overall development and well-being of its students. Their dedication to fostering a positive and memorable experience for the graduates contributed to the event's success and the lasting memories it created for all those in attendance.



Inauguration of Sri Aurobindo Aushadhi Vatika at Ujjain

Plantation drive was conducted under the name of Sri Aurobindo Aushadi Vatika at Bhairavgarh, Ujjain. About 2000 medicinal plants were planted by students from all the streams MBBS, BDS, BPT/BOT, BASLP, Nursing. More than 300 students were a part of this massive plantation drive.

Chief guest Dr. PC Dubey explained the importance of various medicinal plants like giloy, vishnukanta etc to students. DFO Kiren Bisen explained the whole plantation project and encouraged the students to work in integrated manner and practice integrated medicine.

Founder Chairman Dr. Vinod Bhandari, encouraged and instilled the feeling of conserving the environment in the youth, who are the future of our world. Dr. Jaishree Tapadia, Dean student welfare highlighted the importance of working together with the allied fields like Ayurveda, which can give us many more and new treatment modalities for the diseases.



मेरी जिद है कि हर बीमारी का इलाज इंदौर में मिले... हम इसमें सफल हो रहे हैं इंदौर को मेडिकल हब बनाने में योगदान दे रहे डॉ. महक भंडारी की दास्तां

चिकित्सा एक ऐसा पेशा है, जो मानव जाति के लिए वरदान है। एक डॉक्टर वह व्यक्ति होता है, जो किसी मरीज को मृत्यु के जबड़े से खींचकर फिर जीवन में लौटा लाता है। इस काबिलियत को पैदा करने के लिए एक चिकित्सक अपनी युवावस्था से गहन अध्ययन और परिश्रम शुरू करता है और अपने जीवन के महत्वपूर्ण समय को चिकित्सा लेब और किताबों में खपा देता है। यही कारण है कि जब वह किसी मरीज को बचा लेता है, तो लोग उसे धरती भगवान का दर्जा देते हैं। मध्य भारत के मेडिकल हब बन चुके इंदौर में भी कुछ शख्स ऐसे हैं, जो अपनी काबिलियत, मेहनत और सुझाबुझ से मरीजों के लिए हर उस इलाज को इंदौर में संभव कर रहे हैं, जिसके लिए पहले देश के अन्य शहरों या विदेश जाना पड़ता था। ऐसा ही एक नाम है डॉ. महक भंडारी। आज नाम ही काफी है में इनके परिश्रम और शहर को दी गई चिकित्सा संबंधी योगातों की दिलचस्प दास्तां।

मेडिकल हब के रूप में पहचाने जाने वाले इंदौर ने आज जो स्थान बनाया है, उसमें शहर के वरिष्ठ रोबोटिक्स चिकित्सक, भंडारी अस्पताल के डायरेक्टर व अरबिन्दो मेडिकल कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. महक भंडारी का भी विशेष योगदान है। उनके परिवार में माँ, पिता, भाई सहित अन्य सदस्य मेडिकल पेशे से ही जुड़े हुए हैं। नतीजन, अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर उन्होंने शहर में बेहतर मेडिकल सुविधाएं विकसित करने का बीड़ा उठाया और इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इंदौर में एमजीएम मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया और उसके बाद मुंबई से जनरल सर्जरी में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स किया। वे प्रदेश के पहले चिकित्सक हैं, जो मध्यप्रदेश में 100 से अधिक जनरल रोबोटिक सर्जरी कर चुके हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद जब वे 2013 में इंदौर आए, तब उन्होंने पिता डॉ. विनोद भंडारी द्वारा शुरू किए गए भंडारी अस्पताल की जिम्मेदारी का संभाला। वर्ष 2017 में अपने बड़े भाई मोहित भंडारी से उन्होंने एडवांस दूरबीन पद्धति की सर्जरी का प्रशिक्षण लिया।

इसके बाद से वे एडवांस सर्जरी कर रहे हैं। वे बताते हैं, मेरा सपना था कि इंदौर शहर में ऐसा अस्पताल हो, जिनमें इतनी सुविधाएं हों कि मरीजों को उपचार के लिए देश के अन्य शहर या विदेश जाना न पड़े। यही वजह है कि 1992 में पिता द्वारा शुरू किए गए भंडारी अस्पताल के कार्य को बढ़ाते हुए हमने अरबिंदो अस्पताल में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाईं। अब हमारे अस्पताल में कैंसर का भी उपचार हो रहा है।

विशेषज्ञ चिकित्सक व स्टाफ को कर रहे तैयार

डॉ. महक बताते हैं मेरा सपना है कि इंदौर के आसपास स्थित छोटे-छोटे गांव व कस्बों में जहां चिकित्सकों की कमी है, वहां के लोगों को भी बेहतर उपचार मिले। इसके लिए हमारे रेसिडेंट डॉक्टरों का गांवों में भेजकर मरीजों का उपचार करवाते हैं। जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उनका आयुष्मान योजना के तहत उपचार करते हैं जिन लोगों के पास पैसा नहीं होता, ऐसे जरूरतमंदों को बुनियादी जांच, दवाई व ऑपरेशन का खर्च अस्पताल प्रबंधन उठाता है। मेरी कोशिश रहती है कि पैसे के अभाव में किसी मरीज का उपचार प्रभावित न हो। वर्ष 202 में हमने अरबिंदो मेडिकल यूनिवर्सिटी बनाई ताकि ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कोर्स व प्रशिक्षण का कार्य हम इंदौर में ही कर सकें। हमारे मेडिकल कॉलेज से हर साल एक हजार से अधिक डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ प्रशिक्षित होकर निकल रहे हैं।

कोविड की चुनौती में 46 हजार मरीजों का किया उपचार

डॉ. महक भंडारी बताते हैं वर्ष 2020 में जब कोविड महामारी आई वो शहर का कोई भी अस्पताल मरीजों को भर्ती करने के लिए तैयार नहीं था। तब मैंने पिताजी से कहा कि हम अपने अस्पताल में कोविड के मरीजों का उपचार करना चाहिए। हमारे परिवार के सभी चिकित्सक सदस्यों ने मेरे इस सुझाव पर सहमति दी क्योंकि हम इंदौरवासियों को उस महासंकट में अकेला नहीं छोड़ सकते थे। हम कोविड की चुनौती के लिये तैयार हुए और तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह से इस संबंध में चर्चा की। इसके बाद राज्य शासन स्तर पर अरबिंदो अस्पताल को इंदौर ही नहीं बल्कि प्रदेश का पहला कोविड अस्पताल घोषित किया गया। कोविड में हमने करीब 46 हजार मरीजों का उपचार किया। उस दौरान गंभीर मरीजों के उपचार के लिए हमने 250 बिस्तरों का आइसीयू तैयार किया। कोविड संक्रमण व लाकडाउन के कारण जब हर जगह राशन की कमी हो रही थी, उस समय में अस्पताल के दो हजार कर्मचारियों व 1600 मरीजों को तीन समय के लिए भोजन का राशन जुटाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ी। मैं दोपहर में सांवर के आसपास गांव में जाता था और हम वहां खेती में लगी सब्जियां, तरबूज व अन्य फल खरीदकर लाते थे। जिला प्रशासन की मदद से सुपर स्टोर से चावल, आटा, दाल व अन्य अनाज अस्पताल के लिए जुटाया ताकि कोविड में उपचार के लिए आने वाले मरीजों व काम करने वाले स्टाफ के लिए भोजन की समस्या न हों। उस दौरान चिकित्सा सुविधाएं जुटाने के लिए अपनी टीम के साथ चार एम्बुलेंस औरंगाबाद भेजी और वहां से हमने वेंटिलेटर, आक्सीजन पंप, आक्सीजन कंसट्रेंटर और आवश्यक दवाइयां बुलवाईं।



मेरी जिद है कि हर बीमारी का इलाज इंदौर में मिले... हम इसमें सफल हो रहे हैं

आज नाम ही काफी है में इंदौर को मेडिकल हब बनाने में योगदान दे रहे डॉ. महक भंडारी की दास्तां

चिकित्सा एक ऐसा पेशा है, जो मानव जाति के लिए वरदान है। एक डॉक्टर वह व्यक्ति होता है, जो किसी मरीज को मृत्यु के जबड़े से खींचकर फिर जीवन में लौटा लाता है। इस काबिलियत को पैदा करने के लिए एक चिकित्सक अपनी युवावस्था से गहन अध्ययन और परिश्रम शुरू करता है और अपने जीवन के महत्वपूर्ण समय को चिकित्सा लेब और किताबों में खपा देता है। यही कारण है कि जब वह किसी मरीज को बचा लेता है, तो लोग उसे धरती के भगवान का दर्जा देते हैं। मध्य भारत के मेडिकल हब बन चुके इंदौर में भी कुछ शख्स ऐसे हैं, जो अपनी काबिलियत, मेहनत और सुझाबुझ से मरीजों के लिए हर उस इलाज को इंदौर में संभव कर रहे हैं, जिसके लिए पहले देश के अन्य शहरों या विदेश जाना पड़ता था। ऐसा ही एक नाम है डॉ. महक भंडारी। आज नाम ही काफी है में इनके परिश्रम और शहर को दी गई चिकित्सा संबंधी योगातों की दिलचस्प दास्तां।



मेडिकल हब के रूप में पहचाने जाने वाले इंदौर ने आज जो स्थान बनाया है, उसमें शहर के वरिष्ठ रोबोटिक्स चिकित्सक, भंडारी अस्पताल के डायरेक्टर व अरबिंदो मेडिकल कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. महक भंडारी का भी विशेष योगदान है। उनके परिवार में माँ, पिता, भाई सहित अन्य सदस्य मेडिकल पेशे से ही जुड़े हुए हैं। नतीजन, अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर उन्होंने शहर में बेहतर मेडिकल सुविधाएं विकसित करने का बीड़ा उठाया और इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इंदौर में एमजीएम मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया और उसके बाद मुंबई से जनरल सर्जरी में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स किया। वे प्रदेश के पहले चिकित्सक हैं, जो मध्य भारत के मेडिकल हब बन चुके इंदौर में भी कुछ शख्स ऐसे हैं, जो अपनी काबिलियत, मेहनत और सुझाबुझ से मरीजों के लिए हर उस इलाज को इंदौर में संभव कर रहे हैं, जिसके लिए पहले देश के अन्य शहरों या विदेश जाना पड़ता था। ऐसा ही एक नाम है डॉ. महक भंडारी। आज नाम ही काफी है में इनके परिश्रम और शहर को दी गई चिकित्सा संबंधी योगातों की दिलचस्प दास्तां।

मेडिकल हब के रूप में पहचाने जाने वाले इंदौर ने आज जो स्थान बनाया है, उसमें शहर के वरिष्ठ रोबोटिक्स चिकित्सक, भंडारी अस्पताल के डायरेक्टर व अरबिंदो मेडिकल कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. महक भंडारी का भी विशेष योगदान है। उनके परिवार में माँ, पिता, भाई सहित अन्य सदस्य मेडिकल पेशे से ही जुड़े हुए हैं। नतीजन, अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर उन्होंने शहर में बेहतर मेडिकल सुविधाएं विकसित करने का बीड़ा उठाया और इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इंदौर में एमजीएम मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया और उसके बाद मुंबई से जनरल सर्जरी में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स किया। वे प्रदेश के पहले चिकित्सक हैं, जो मध्य भारत के मेडिकल हब बन चुके इंदौर में भी कुछ शख्स ऐसे हैं, जो अपनी काबिलियत, मेहनत और सुझाबुझ से मरीजों के लिए हर उस इलाज को इंदौर में संभव कर रहे हैं, जिसके लिए पहले देश के अन्य शहरों या विदेश जाना पड़ता था। ऐसा ही एक नाम है डॉ. महक भंडारी। आज नाम ही काफी है में इनके परिश्रम और शहर को दी गई चिकित्सा संबंधी योगातों की दिलचस्प दास्तां।

कोविड की चुनौती में 46 हजार मरीजों का किया उपचार डॉ. महक भंडारी बताते हैं वर्ष 2020 में जब कोविड महामारी आई वो शहर का कोई भी अस्पताल मरीजों को भर्ती करने के लिए तैयार नहीं था। तब मैंने पिताजी से कहा कि हम अपने अस्पताल में कोविड के मरीजों का उपचार करना चाहिए। हमारे परिवार के सभी चिकित्सक सदस्यों ने मेरे इस सुझाव पर सहमति दी क्योंकि हम इंदौरवासियों को उस महासंकट में अकेला नहीं छोड़ सकते थे। हम कोविड की चुनौती के लिये तैयार हुए और तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह से इस संबंध में चर्चा की। इसके बाद राज्य शासन स्तर पर अरबिंदो अस्पताल को इंदौर ही नहीं बल्कि प्रदेश का पहला कोविड अस्पताल घोषित किया गया। कोविड में हमने करीब 46 हजार मरीजों का उपचार किया। उस दौरान गंभीर मरीजों के उपचार के लिए हमने 250 बिस्तरों का आइसीयू तैयार किया। कोविड संक्रमण व लाकडाउन के कारण जब हर जगह राशन की कमी हो रही थी, उस समय में अस्पताल के दो हजार कर्मचारियों व 1600 मरीजों को तीन समय के लिए भोजन का राशन जुटाने के लिए काफी मशकत करनी पड़ी। मैं दोपहर में सांवर के आसपास गांव में जाता था और हम वहां खेती में लगी सब्जियां, तरबूज व अन्य फल खरीदकर लाते थे। जिला प्रशासन की मदद से सुपर स्टोर से चावल, आटा, दाल व अन्य अनाज अस्पताल के लिए जुटाया ताकि कोविड में उपचार के लिए आने वाले मरीजों व काम करने वाले स्टाफ के लिए भोजन की समस्या न हों। उस दौरान चिकित्सा सुविधाएं जुटाने के लिए अपनी टीम के साथ चार एम्बुलेंस औरंगाबाद भेजी और वहां से हमने वेंटिलेटर, आक्सीजन पंप, आक्सीजन कंसट्रेंटर और आवश्यक दवाइयां बुलवाईं।

विशेषज्ञ चिकित्सक व स्टाफ को कर रहे तैयार डॉ. महक भंडारी बताते हैं, मेरा सपना था कि इंदौर शहर में ऐसा अस्पताल हो, जिनमें इतनी सुविधाएं हों कि मरीजों को उपचार के लिए देश के अन्य शहर या विदेश जाना न पड़े। यही वजह है कि 1992 में पिता द्वारा शुरू किए गए भंडारी अस्पताल के कार्य को बढ़ाते हुए हमने अरबिंदो अस्पताल में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाईं। अब हमारे अस्पताल में कैंसर का भी उपचार हो रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सक व स्टाफ को कर रहे तैयार डॉ. महक भंडारी बताते हैं, मेरा सपना था कि इंदौर शहर में ऐसा अस्पताल हो, जिनमें इतनी सुविधाएं हों कि मरीजों को उपचार के लिए देश के अन्य शहर या विदेश जाना न पड़े। यही वजह है कि 1992 में पिता द्वारा शुरू किए गए भंडारी अस्पताल के कार्य को बढ़ाते हुए हमने अरबिंदो अस्पताल में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाईं। अब हमारे अस्पताल में कैंसर का भी उपचार हो रहा है।

Indian Orthopaedic Association - Bone and Joint Day

Sri Aurobindo University Indore organized the Indian Orthopaedic Association Bone And Joint Day 2023 program on the 4th of August. This event was inaugurated by Dr. Mahak Bhandari, Pro-Chancellor, SAU Indore along with Dr. Jayashree Tapadia, Dean of Students Welfare and Dr R.R. Wavare the Dean of SAIMS College, Every year Bone and Joint week is celebrated during the first week of August and 4th August is celebrated as Bone & Joint day. This year the Indian Orthopaedic Association along with Department of Orthopaedics, SAMC & PGI, Indore successfully conducted live seminars, demonstrations and tutorials with interactive sessions under the presidential theme - "Each One Train One Save One".

Under the Guidance of Prof. Dr. Saket Jati and Prof. Dr. Devendra Nayak more than 6000 individuals in more than 10 institutes of Indore were trained on Bone and Joint day on Basic Life Support in an emergency life situation where for a patient lying unconscious or in need of primary aid, what all measures, precautions and maneuvers can be applied in order to provide primary care in the need of the hour and save a valuable life.

With this training session a record was created- 'Training the maximum number of persons in a single day with basic life support training' which was recognised and felicitated by India Books of Records and Asia Book of Records.



Congratulats



Dr. Mohit Bhandari for chairing a scientific session of International Federation for the Surgery of Obesity and Metabolic Disorders (IFSO) Conference 2023 at Napoli, Italy.

Breastfeeding Week

Department of Pediatrics and Adolescent medicine, SAMC and PGI celebrated Breastfeeding week from 1st to 7th August with very well orchestrated events by Division of Neonatology .

The week started with poster competition judged by Dr. Hemant Jain, Dr. Sunita Mishra and Dr. Perna Pandey.

As a ritual, this year also we organised Intercollege Breastfeeding week PG quiz. Participants were from Choithram, Chacha Nehru (MY), Index and SAIMS. It was beautifully conducted by Dr. Apurva Kawdiya.

Proud to say that SAIMS team (Dr. Sumit Nigam and Dr. Divita Bhargav) won the quiz followed by CHRC as runner up. All participants gave a very tough fight. Overall it was a very knowledgeable and enjoyable event.

Breastfeeding week ended with Inter Departmental Role play by Pediatric and OBGY pgs for our ANC /PNC/NICU /KMC ward mothers. It was a huge success.

I thank the organizers and PG's for all their hard work and dedicated involvement.



Dr Gunjan Kela
Head Of Dept, paediatrics

Anti Ragging Week

The Anti- Ragging week observed in the month of August from 12th to 18th witnessed gargantuan participation from the side of students and management alike.

The invigorating presence of our Dean Student Welfare, Dr Jaishree Tapadia was the reason behind the celebration and competitions held had a grandiosity of scale and opulence that reinforced life into the theme itself. Her firm commitment to the idea inspired trust and breathed confidence in both students and professors to combat ragging.

Dr. Jaishree Tapadia is a pioneer in the fields of healthcare and education. She was essential in developing a culture of innovation among students and in mentoring pupils. She played a vital role in organizing several components of the events to make sure everyone had a smooth and enjoyable time.

The Celebration of Anti-Ragging by the Sri Aurobindo University was an initiative by the college to create a safer and welcoming environment for all. The recent rise in the cases against ragging was appalling and a warning for the administration to create awareness and take firm steps to curb the practice.

Ragging is a punishable offence and against the values we promote here at Sri Aurobindo University. Throughout the Anti Ragging week various activities and awareness programs were scheduled to highlight the ill effects of ragging, legal consequences against it and to address any such occurrences at the earliest to the Anti ragging committee.

The event commenced with a poster making competition that was in SAIMS CON, in which B. Sc 4th year students took part enthusiastically. Judges for the event were Hon'able Dean, Student Welfare Dr Jaishree Tapadia and Respected Head of Department for Pharmacology, Dr Pooja Reddy. There were 8 posters at display beautifully demonstrated ragging and it's various forms with emphasis on a ragging free campus.

WINNERS

1st Ms Meenakshree Ningwal, 2nd Ms Sarita Pal, 3rd Ms Neha Patel and Mr Gaurav Pandey



Later to add icing on cake the Nursing students performed a Role Play about ragging and it's negative effects.

At Sri Aurobindo University's college of Speech and Hearing, the "Anti-Ragging"-themed Logo Design Competition was successfully held on August 16. The competition's goal was to promote awareness against ragging and advocate a sense of responsibility amongst all those who witness it but remain silent. The competition saw a huge turn out with each participant bringing something unique to the table. Dean Student Welfare, Dr. Jaishree Tapadia, and Dr. Kudrat Bhangu served as the competition's honorary judges. Based on the aesthetic impact, concept clarity, relevancy, and inventiveness, they graded the logos. Later, the developed logos were put on display in conspicuous areas of the college to increase public awareness of ragging and its drawbacks.

WINNERS

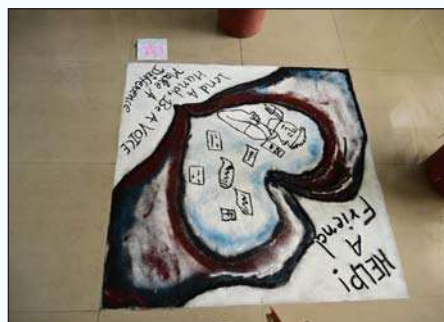
1st Anushka Patil, Anushka Holkar, Aayush Nagdone, 2nd Shruti Pal, Sophie Wilson, Saurav Soni, 3rd Narendra Kurmi, Pawan Jadhav, Pooja Naughane.

Sri Aurobindo College of Allied Health and paramedical Sciences kept the traditions alive with the anti ragging themed Rangoli Making Competition held on the 17th of this month. The event witnessed a hefty participation from all the batches and the atmosphere filled with zeal and enthusiasm. The purpose of the event was to generate a consciousness against the practice of ragging and to observe the many perspectives held by students on it. The competition took place under the invaluable guidance of Dean Student Welfare Dr Jaishree Tapadia and Head of Department for Microbiology Dr Prachi Shaw. They also served as the competition's eminent judges and gave the youngsters some insightful advice. The event was coordinated by Dr Neha Sharma under the counsel of Dr Shekhar Modak and Dr Jaishree Tapadia.

WINNERS

1st Ms Khushi and Diksha, 2nd Ms Shewta and Kusum, 3rd Ms Mahi and Priya.

The first Antiragging Week at Sri Aurobindo University was cheerfully and enthusiastically observed. The students participated in a wide range of activities that led to the common learning outcome of avoiding and



discouraging the practice of ragging. The MBBS community's "Poster Making and Essay Writing Competition" was on the agenda for 17th of August. All of the batches participated in great numbers in the competitions, which really highlighted everyone's originality. The creative minds painted their concepts onto the paper to produce a poster that was alive with feeling. It was more difficult for the judges to select a winner because the writers delved deeply into the subject and produced moving articles. Dean of Student Welfare and Head of the Physiology Department Dr. Jaishree Tapadia and adored Professor of Anatomy Dr. Rupa Chapperwal served as the competition's respected judges. They gave us the gift of their presence while educating the pupils and denouncing the behavior of ragging.

Keeping up with the pacing and digital savvy world the "E- poster Presentation" Competition was on point with its agenda held on the 18th of August. The participants ushered in newer ideas and delved deeper into the theme to understand its core. Through their posters, the winner presented a variety of views, including the negative impacts of ragging, the need to create a safe space for victims, and the obligation for seniors to serve as mentors rather than abusers. The competition was well orchestrated by the council members and the anchors, who kept the audience and competitors' fervor and enthusiasm high. Hon'able Dean, Student Welfare Dr Jaishree Tapadia and Principle, Sri Aurbindo college of dentistry Dr Kanteshwari I.K. were the esteemed judges for the competition, who provided the students with their knowledge and experience. The event came to an end with a projection of all the posters in the lobby of the dental college. The event was a success and raised awareness of ragging as a criminal behavior and its repercussions among college-bound students.

WINNERS

1st Mr Alok Mittal, 2nd Mr Sanchit Mishra, 3rd Ms Ananya Jhakeriya.

The event concluded in with a synonymous outcome of aversion towards ragging and understanding that :
The ultimate tragedy is not just the oppression and cruelty by the bad people but the silence over that by the good people.

Martin Luther King.





E Poster Competition for BDS Students during Anti-Ragging Week

At Sri Aurobindo University, Indore, we believe in fostering a safe and welcoming environment for every student. That's why we've dedicated this week to raising awareness about the negative impact of ragging within our college premises.

Through a series of enlightening sessions and engaging activities, we've come together to send a powerful message – that ragging has no place in our academic family. Our aim is to create an atmosphere of respect, friendship, and collaboration among students.

Remember, it's not just about a week of awareness; it's a lifelong commitment to creating a positive and nurturing educational space. Together, we can make a difference.



Anti Ragging Week Slogan Competition Held in BSLP Department



Trauma Awareness Campaign

Association of Oral and Maxillofacial Surgeons of India "Guardians of the Face" conducted a nationwide Trauma Awareness Campaign - "Saving Lives, Saving Faces" on 26th August 2023.

The Lecture was conducted by The Department Of Oral and Maxillofacial Surgery under the able leadership and guidance of Dr. Geeti Vajdi Mitra, Head of the department. The speaker was Dr. Rahul Chhajlani Professor at the Department of Oral and Maxillofacial Surgery at Sri Aurobindo Institute of Dentistry.

The main agenda of this lecture was to spread awareness about the Road Traffic Accident and Trauma prevention and safety measures. It was a highly informative and engaging lecture and was very helpful for the students and staff members from the Dental college, Physiotherapy college, Sri Aurobindo University.



Neonatal Simulation Course on USG & ECHO

1st NEOSIM (Neonatal simulation) course on USG and ECHO started in SAMC and PGI on 13th August.



It is a eight weeks course designed with lectures, simulator lab training and adequate hands-on well suited for postgraduate students, practising Pediatricians and Neonatologists. It is planned by trained faculty like Dr. Gaurav Mogra, Dr. Abha Jain, Dr. Prashant Agrawal and Dr. Rajkumari Rawat.

Dr. Gunjan Kela
Head of Dept Paediatrics
SAMC & PGI, Indore (M.P.)

Congratulation Dr. Shweta Bhandari & Dr. Gunjan Kela

Congratulations, Dr. Shweta Bhandari and Dr. Gunjan Kela on receiving the NaiDunya's Doctor Award!. Your dedication, expertise, and tireless efforts have made a significant impact on the lives of countless mothers and their babies.



जिनके हाथों में मनुष्य को बचाने का हुनर... उनके सम्मान में झुका शहर

नईदुनिया ने किया धरती के भगवान माने जाने वाले डाक्टरों का सम्मान, होटल शैरेटन ग्रीड पैलेस में हुआ भव्य समारोह

मरीजों को देखभाल में न वो दिन देखते हैं, न हो रात। जब भी किसी की जान खतर में पड़ जाती है, तो वे तुरंत उसे बचाने की चुनिका में आ जाते हैं। ऐसे डाक्टरों को बंगलौर के होटल शैरेटन ग्रीड पैलेस में नईदुनिया चिकित्सक सम्मान से सम्मानित किया गया। आवेग के मुख अतिथि जल संस्कार मंत्री सुप्रसन्न सिंह और महारथ पुष्पमित्र भार्गव रहे।

महारथ ने संबोधित करते हुए कहा कि शहर में कहीं चिकित्सक का सम्मान हो और मैं न जाऊँ, तो मुझे लगता है कि अपने जवबदारी से दूर जा रहा हूँ। चिकित्सकों का सम्मान करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। जब भी डॉक्टर को आवश्यकता पड़े, तो आप सभी सदैव मदद के लिए तैयार रहते हैं। यही वह कोरेला संस्कार का सत्य हो या फिर अन्य कोई विषय, परिणामी। नईदुनिया का धन्यवाद करता हूँ कि आपने डाक्टरों को सम्मानित किया। समारोह में जो नृत्य आभारन केन्द्र की छात्रिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के रूप में सम्मान समारोह का गौरव और बढ़ा दिया। आवेगन में ओमकार धूप, श्री अरविंदो निम्बिनी, सांस्कृतिक सिंगलर धूप, इतिहास धूप आदि हस्तकलाओं का सौभाग्य रहा।

OMAXE
Presents
नईदुनिया चिकित्सक सम्मान 2023

लाइफ टाइम अचीवमेंट
डा. सुवर्णा को कारकिर्दी में लक्ष्मण टाइम अचीवमेंट अवार्ड से डा. रवीश कुमार को सम्मानित किया गया। इस दौरान नईदुनिया के रीडिंग और प्रकाश, राजेश कुमार सहित शाल आर्यवी व अन्य पत्रकारों की मौजूदगी में।

विश्व रमारा कल के अंक में
इन दिग्गजों का हुआ सम्मान



सम्मान के इस गौरवमयी आवेगन में मेटरनल एवं फेटल मेडिसिन डा. प्रदीप शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. नीरजा शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. ज्योति रिमल, प्रसूति, स्त्री रोग एवं निस्संजन विशेषज्ञ डा. मनिषा चौधरी मेडिकल, दा रोग विशेषज्ञ डा. सुरेश दिवलीवाल, दा रोग विशेषज्ञ डा. कुलदीप सिंह रमा, दा रोग विशेषज्ञ डा. दीपिका शर्मा, दा श्रवण चिकित्सक डा. ममता सिंह, न्यूरोलॉजिस्ट डा. अश्विनी पौड्याल, धनस तथा विशेषज्ञ डा. गौरव गुज, न्यूरो सर्जन डा. रवीश गुज, मेडिकल ऑनकोलॉजिस्ट डा. हरिप्रसाद पाण्डे, मेडिकल ऑनकोलॉजिस्ट डा. अनिल अग्रवाल, एमडी मेडिसिन डा. कबीर शर्मा, कार्डियोलॉजिस्ट डा. रमेश कुमार जैन, निरुद्धि विशेषज्ञ डा. गुजल केश, निरुद्धि विशेषज्ञ डा. निषय मेहता, फिजियोथेरेपिस्ट डा. रवीश सुबेदार, फिजियोथेरेपिस्ट डा. मनीष गौड़, आयुर्वेद डा. नयन गुला, फेरीसिक मेडिसिन डा. फैल वाकर, आयुर्वेद डा. अजीत कुमार सिंह, आयुर्वेद डा. अरवि कुमार जैन, मनीष लक्ष्मी, आयुर्वेद डा. अनिल अग्रवाल, फिजियोथेरेपिस्ट डा. निषय मेहता, शिव शंकर शर्मा, मनीष चिकित्सक डा. कृष्ण मिश्र, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. राजेश शर्मा, मायूक एवं वायरल विशेषज्ञ डा. सुनील (एम जेन) इंदर रोग विशेषज्ञ डा. एन प्रदीप, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. टीन अग्रवाल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. अदित अग्रवाल, एमडी होमोपैथी डा. उषित चौधरी, फेडरली सर्जन डा. भवान सिंह कर्मा, रीजिस्ट्रार डा. विवेक गौड़ एवं ज्योति सहस्र डा. शेर डी. राय को सम्मानित किया गया।

Starbismus Hand-On Workshop

On 19th August 2023, a strabismus hands-on workshop was organised at the Sri Aurobindo University campus by the Department of ophthalmology under the guidance of Dr. (Professor) Shreya Thatte, well coordinated by Dr. Aashi Bansal, Dr. Amisha Jain, Dr. Pragya Prakash, Dr. Sonam Verma and Dr. Lalita Gupta.

The workshop was inaugurated by Respected Dr. Vinod Bhandari Founder Chairman, SAIMS, Dr. Manjushee Bhandari Chairperson, SAIMS & Chancellor – Sri Aurobindo University, DR. Mahak Bhandari General Secretary and Pro- Chancellor SAU - SAIMS, Prof. (Dr) Jyoti Bindal Vice-Chancellor SAU, Dean Dr R. Wavare and Dean Student welfare, Dr. Jayshree Tapadia.

The workshop was graced by the presence of Dr. Professor Zia Chaudhuri, (Director-Professor Lady Hardinge Medical College and associate hospital and a well reputed strabismus surgeon of India).

Other guest faculty from the state included Dr. (Professor) Ulka Shrivastava, Head Department of ophthalmology, Chirayu Medical College, Dr. (Professor) Shweta Walia, Professor, MGM medical College - Dr Birendra Jha, Medical Director, Indore India Eye Care, Dr Seemee Kapadia, Assistant Professor, LNCT Medical college, Dr Aashish Kumar Gangrade Consultant, Sankara eye hospital, Indore, Dr. Rishika Mutha, Visiting Consultant SRJ Nethralaya and Nihar Nethralaya, Indore, Dr Anagha Chawhan, Assistant Professor, Chirayu Medical College Bhopal.

With 67 registered participants, the workshop was well attended and praised by delegates from all over the state that included post graduate students, private practitioners and faculty from various institutes of Madhya Pradesh.

In our first session, that was Video Interactive case discussion the delegates actively participated in and got a chance to discuss squint cases with our guest faculty and learnt all about the approach, diagnosis and management of patients in a very interesting manner.

After that, in the hands-on session, they got a chance to interact with each and every mentor and learn the diagnostic test including corneal reflex test, sensory and motor examination of strabismus and diplopia assesment by hess charting by performing on patients under their supervision. Demonstration of vision therapy, a new modality for amblyopia management was given to all the participants.

Also all the delegates performed squint surgery on model eyes prepared by artists of our organisation.

The first of its kind in the state, this hands-on strabismus workshop was a great learning opportunity for the post graduate students and young ophthalmologists of Madhya Pradesh.



IPC-NABH Workshop-cum-Training Programme on 'Pharmacovigilance' for NABH Accredited Hospitals

Department of Pharmacology of SAMC & PGI under the aegis of SAU with direct supervision & guidance of founder chairman Dr. Vinod Bhandari, has conducted a one-day National level Workshop-cum-Training Programme on Pharmacovigilance for NABH Accredited Hospitals on 24th August 2023 at Shri S.M. Bhandari Auditorium, SAU, SAIMS Indore, in collaboration with Indian Pharmacopoeia Commission (IPC), Ghaziabad, ministry of Health & family welfare, Govt. of India.

Dr. Chhaya Goyal welcomed all the virtual - offline workshop delegates and speakers.

Dr. Vinod Bhandari founder chairman SAIMS inaugurated the workshop with cultural custom of lamp lighting and Saraswati Vandana.

Dr. Jai Prakash Officer-in-Charge PvPI, IPC, Ghaziabad discussed about the current status of PvPI & he also mentioned that in world ranking we are 8th in position among 185 member countries of WHO-UMC (Uppsala Medical Center) for international drug monitoring.

Ms. Varsha Srivastava, Assistant director NABH, New Delhi explained about the Significance of ADR reporting for NABH Accredited Hospitals in India. She appreciated SAIMS being an NABH Accredited Hospital with capacity of 1400 bed strength.

Dr. Chhaya Goyal, Professor & Coordinator of pharmacovigilance department, SAIMS Indore explained importance of pharmacovigilance, ADR monitoring & how to report it to authority (PvPI).

Dr. Ratinder Jhaj, Professor & Regional training centre (RTC) Coordinator AIIMS Bhopal, guided the delegates about Setting up of a Pharmacovigilance System in Hospitals.

Dr. Pooja Reddy professor & head department of pharmacology, organising secretary & her team efforts were well appreciated by one & all. She concluded the event with vote of thanks.

We had an overwhelming response from participants all over India as there were more than 130 offline and 111 virtual participants. Overall it was a fruitful & successful event.



Report On BCME & CISP-III (August 2023)



The mediocre teacher tells. The good teacher explains. The superior teacher demonstrates. The great teacher inspires. -William Arthur Ward

BCME-(Basic Course in Medical Education) workshop was conducted from 17th to 19th August, 2023 and CISP-III (Curriculum Implementation Support Program) was conducted from 24th -25th August, 2023 under the aegis of Sri Aurobindo Medical College & PG Institute, Indore, Founder Chairman Dr. Vinod Bhandari, Chairperson Dr. Manjushree Bhandari & Dr. Mrs. Bose, Director Medical Education and Ex-Convenor of MEU.

Venue: Regional Training Centre, Medical Education Unit, SAIMS, Indore.

BCME-(Basic Course in Medical Education) workshop was attended by 27 participants from various medical colleges across Madhya Pradesh. The inauguration session was conducted by Dr. Nitin Nema, Convenor, RTC, MEU, SAIMS, Indore in the presence of Dean Dr. R.R. Wavare and Dr. Praveen Arora, Co-convenor.





Morning prayer at the beginning of each day's session instilled positive vibes in the minds of all the participants as well as all the resource faculties.

The three-day long BCME workshop was lectures full of knowledge and the participants were kept on their toes with the help of regular group discussions and group activities. Every participant was overwhelmed at the end of their three day long journey at this Regional Training Center (RTC). Lectures were conducted by resource faculties Dr. Nitin Nema, Dr. RR Wavare, Dr. Praveen Arora, Dr. K.K. Arora, Dr. Chhaya Goyal, Dr. R K Jha, Dr. Manjunath Motagi, Dr. Kavitarati Dharwadkar and Dr. Pooja Reddy.

Dr. Apurv B. Thakur, Dr. Deepa Nair & Dr. Vishal Surwade, as newly inducted resource faculty, took active participation in various responsibilities given to them during the workshop, under the able guidance of senior resource faculties of the MEU.

In addition to it, some Medical Interns also helped in demonstration of some important topics.

CISP-III (Curriculum Implementation Support Program) was conducted on 24th & 25th August, 2023 with participation of 28 senior faculty including some Deans, Heads of Departments and senior professors of the Medical Colleges of Madhya Pradesh. The participants had discussion regarding implementation of the new curriculum at their respective institution keeping the goal of making better IMGs (Indian Medical Graduates). CISP was also a thought provoking instrument among the senior faculties, who attended the workshop. It also saw the knowledge sharing by Resource Faculties of MEU, SAIMS, Indore.

SAIMS College of Nursing, Report on World Breast Feeding Week

“Theme: Enabling Breast Feeding: Making a Difference for Working Parents”

The department of Obstetrics & Gynecological Nursing Department & Pediatrics Nursing department hosted an event to celebrate breast feeding week (1st August to 7th August 2023) in SAIMS College of Nursing Indore, under the valuable guidance of Prof. Dr. Perna Pandey, Principal SAIMS College of Nursing. The participation from student's side were B.Sc. Nursing IIIrd Year and GNM IInd year. They have participated in this breast-feeding week and also contributed in making Posters, Health education, Rangoli, Quiz, Skit, & Slogan competition was organized by Pediatric Nursing Department and Obstetrics & Gynecological Nursing Department under the guidance of HOD Pediatric Department, Dr. Mansi Choudhary (HOD of OBG Department) & all Faculty members Mr. Narendra Kumar, Mr. Rahul Kumar, Ms. Sonali Patel, , Ms. Trupti Shukla, Ms. Supriya Rai, Ms. Swati Oswal, Ms. Surbhi, Mr. Jeremy, Mr. Shubham Pindlaya, Ms. Shivangi, Ms. Vijita Joseph, Ms. Sonali Khade.

On 1st of August 2023 Poster Competition was organized, different posters with creative art were displayed by B.Sc. Nursing 3rd year and GNM 2nd year Students from SAIMS College of nursing near OPD entrance area SAIMS Hospital. The total number of groups that participated in the Poster Competition was 30 with 25 group from B.Sc. Nursing IIIrd Year and 5 groups from GNM IInd year. The judges were Dr. Deshpande (HOD Community Medicine, SAMC & PGI), Dr. Gunjan Kela (HOD of Pediatrics, SAMC & PGI) for poster competition, on 01.08.23 result was declared.



Poster Competition Winner: 1st Prize Winner (B.Sc. N. IIIrd Year): Group 22 1. Ankit Gupta, 2. Vaibhav Tiwari. 2nd Prize Winner (GNM IIInd Year): Group 28 1. Nivedita, 2. Manish Dewda. Consolation Prize (B.Sc. N. IIIrd Year) 1. Vishal Raj Nagar, 2. Vishnu Dev Patidar.

On 2nd August 2023 Health Education was given to antenatal and postnatal mothers.

On 3rd August 2023, Rangoli Competition was organized on Theme- Enabling Breast Feeding: Making a Difference for Working Parents in which a huge participation was made by B.Sc. Nursing 3rd year and GNM 2nd year Students from SAIMS College of Nursing on 4th floor corridors. The total number of groups that participated in the rangoli competition was 26 with 21 groups from B.Sc. Nursing 3rd year and 5 group GNM 2nd year. The Rangoli Competition was judged by Dr. Jaishree Tapadia (Dean, Student & Welfare), SAU & Dr. Neeta Natu (HOD of Obstetric & Gynecology).

Rangoli Competition Winners : 1st Prize Winner (GNM IIInd Year): Group -26 1. Nivedita Sunhare, 2. Manisha Devda, 3. Ayush Chouhan. 2nd Prize Winner (B.Sc. N. IIIrd Year): Group-10. 1. Priti Parihar, 2. Sakshi Khertiya, 3. Himanshi. Consolation Prize (GNM IIInd Year): Group- 25 1. Amit, 2. Nandini, 3. Piyush Ghorse



On 4th August 2023, Quiz Competition was organized. Total 6 teams 5 team from B.Sc. Nursing 3rd year and 1 team from GNM 2nd year. Quiz Competition Winners. 1st Prize Winner (B.Sc. N. IIIrd Year) : Group – Nightingale 1. Ankit Gupta, 2. Vaibhav Tiwari, 3. Rishi Solanki. 2nd Prize Winner (B.Sc. N. IIIrd Year): Group – Roy's 1. Vandana Choudhary, 2. Rajni Chauhan, 3. Shivani Khertiya

On 5th August 2023, Skit was organized the Skit was presented near CSSD (Gynec teaching area), Ground floor of SAIMS Hospital in presence of antenatal and postnatal mothers.

On 6th August 2023, Slogan Competition was organized. It took place in Daffodil Hall, 4th floor of SAIMS College of Nursing, Indore. The Slogan Competition was elegantly orchestrated in the esteemed presence of Dr. Chintamani Chouhan. The total No. of participant 13

Slogan Competition Winners : 1st Prize Winner (B.Sc. N. IIIrd Year): Shivani Kushwaha, 2nd Prize Winner (B.Sc. N. IIIrd Year): Teena Dhoulakoti Nepali, Consolation Prize (B.Sc. N. IIIrd Year): Vaishali Rathore.



New Cutting Edge Technologies Available in SAIMS

Super specialty division of Sri Aurobindo Medical College and PG Institute has become the first in central India to have many newer and latest technologies available in various departments with highly trained team of doctors and other technical staff in the hospital.

ROBOTIC SURGERY- First center to have robotic surgery available for urological, gynaecological, orthopaedic and gastric surgeries.

MRI-3 TESTA with facilities to get a functional MRI done, MR tractography and perfusion studies, spectroscopy and whole body diffusion to be done including cardiac perfusion studies.

Halcyon Linear Accelerator - The highest technological linear accelerator in central India which can treat all cancer with specifically targeted and daily imaging facility and treat the cancer within a very short period of time on this LINAC. We can treat by SBRT, SRS, IMRT, IGRT which will take very less time in treatment along with PIN POINT delivery of radiation to the tumor sparing all the normal organs at risk around or which come in the path, which helps in increasing the control rates along with reduction in radiation toxicities. Department of radiation oncology is also the only department in central India where all types of Interstitial, Intraluminal, Intracavitary Brachytherapy and Surface Mould Brachytherapy is being done giving much better cosmetic results along with better control of the disease.

PET CT SCAN - The 4MI Vistas 160 slice digital PET CT scanner available in SAIMS has light burst detector for delivering highest sensitivity enabling excellent image quality with higher sensitivity to detect hidden lesions. Besides Oncology it also helpful in assessing myocardial viability and ischemia, assessing epileptic syndrome and is useful in detecting few cognitive disorders and dementia and useful in detecting some unknown infections and guided biopsies can be done through solid areas of tumor.

Symbia EVO EXCEL Dual Head SPECT Gamma camera enables very high quality functional images in very short time because of two camera heads in this unit.

The vision of Dr. Vinod Bhandari had made it possible that highly trained and qualified faculties are available in all departments and everyone is devoted for giving ultimate and timely care to the needy patients. He has also seen that all the latest and best technological equipments are available in this institute for giving best possible care to all the patient and people of central India.

Presently this college is the only center in Central India to have all newer facilities for total patient care within the state.

Dr. Virendra Bhandari,
Professor & Head, Radiation Oncology



Congratulations



Dr. Mohit Bhandari for nomination in the Organising Committee of 4th IBC Oxford University World Congress 2023 being organised in September 23, UK.



IBC OXFORD 2023 ORGANISING COMMITTEE	
Director IBC Oxford World Congress	Haria Khosla (UK)
Co-Director IBC Oxford World Congress	Bruno Sgrono (UK)
Founder & Director IBC	Tomasz Rogula (USA)
Director IBC Global Communications	Arnel Ortiz Lagardere (Mexico, USA)
Director IBC Middle East & Africa	Ayad Al-Qatani (Saudi Arabia)
Director IBC Latin America	Diana Gabriela Maldonado Pintado (Mexico)
Director IBC Asia Pacific	Mohit Bhandari (India)
Director IBC Innovations	Manoel Galvao Neto (Brazil)
Director IBC Informatics	Hansel Rajasinghe (UK)
Director IBC Corporate	Bartholo Horgan (USA)
IBC Oxford Television Team	Arnel Ortiz Lagardere (Mexico/USA)
	Elaine Moreira (Brazil)
	Diana Gabriela Maldonado Pintado (Mexico)
	Sam Chapp (USA)
	Gloria Miranda (Mexico)
Director IBC Oxford Registration Team	Jo Smoock (UK)

IMA Indore Activities



स्वतंत्रता दिवस पर आईएमए भवन पर कार्यवाहक प्रेसिडेंट डॉक्टर वल्लभ मूंदड़ा एवं उपस्थित सभी सम्माननीय सदस्यों के द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

IMA Indore Congratulates its Following Members

for being unanimously elected as



Dr. Shekhar Rao
Vice President
IMA MP : Year 2023-24.



Dr. Jay Pariyani
Zonal Chairman : Year 2023-24
Vice President : Year 2024-25



Dr. Bhupendra Shekhawat
Zonal Chairman
Year 2024-25

Congratulations



Indian Medical Association, Indore Congratulates Dr. Arvind Pancholia for Chairing the Session on Hypertension in the ESC Congress, Amsterdam.



Sri Aurobindo University

Under the aegis of Sri Aurobindo Institute of Medical Sciences (SAIMS)



**Sri Aurobindo
Hospital**



**Sri Aurobindo Medical College
& Postgraduate Institute**



**Sri Aurobindo College
of Dentistry**



**Sri Aurobindo Institute of Allied
Health & Paramedical Sciences**



**Sri Aurobindo Institute of
Speech & Hearing**



**Sri Aurobindo
Institute Of Law**



**Sri Aurobindo Institute of
Medical Sciences
College of Nursing**



**Sri Aurobindo Institute of
Journalism &
Mass Communication**

..... Other Hospitals & Institutions of the Group



**Bhandari Hospital &
Research Centre**



**Bhandari Hospital
Pardeshipura**



**BHRC School
of Nursing**



**Mohak Hitech
Speciality Hospital**



**Bhandari Group of
Hospitals & Institutions**



**Shri Dada Darbar Hospital, Barwaha
Run by :-
Sri Aurobindo Hospital, Indore**



**Jain Diwakar Sri Aurobindo
Hospital, Ratlam**



**Sri Aurobindo Hospital
INDORE | RATLAM | BARWAHA**

SAIMS TIMES

Editor-in-Chief, Publisher, Printer and Owner Dr. Vinod Bhandari

Printed at Agniban, 121 Devi Ahilya Marg, Indore, Publish By SAIMS, Indore

Saims Campus Indore Ujjain State Highway, Sanwer Road, Indore-453555 (M.P.)

Phone : 0731-4231000 • Web : www.saimsonline.com • Email : saimstimes@saimsonline.com